ए.एन.एम. के उपयोग के लिये

सुविधा कॉपर टी के बारे में कुशलता से बताइये

अपने इस अभियान को सफल बनाइये

हर परिवार को सुखी और स्वस्थ बनाइये

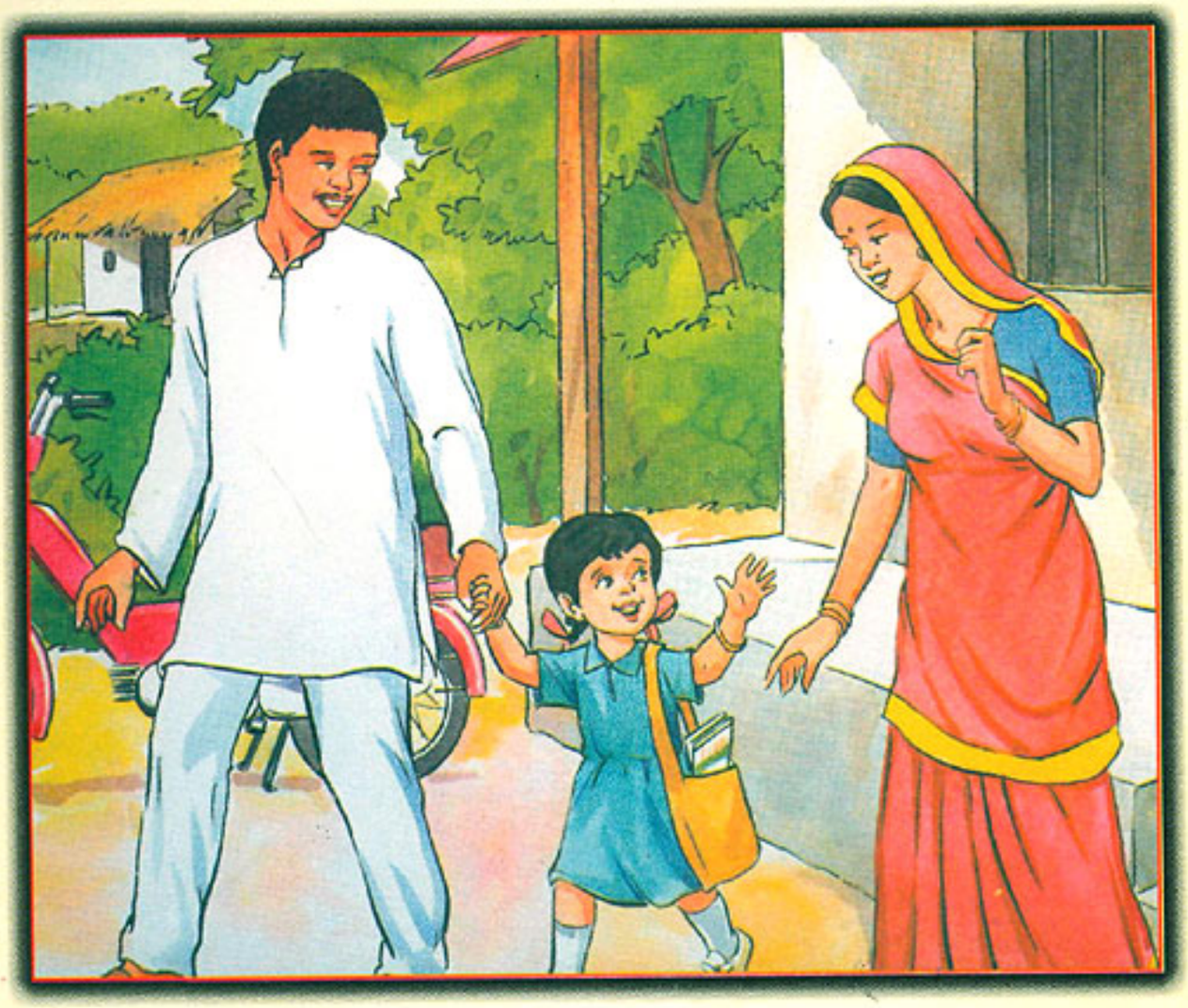

गर्भ से सुरक्षा का सरल उपाय

सुविधा

कॉपर-टी 380A

सिफ्सा
SIFPSA

कॉपर टी एक सफल गर्भनिरोधक होने के बाद भी भारत में ज्यादा प्रचलित नहीं है। अतः यह बहुत जरूरी है कि इसके बारे में कुशलता से प्रचार किया जाये जिससे ज्यादा से ज्यादा स्त्रियाँ इसका लाभ उठा सकें। कॉपर टी का प्रचार करने के लिए ए. एन.एम. निम्न बातों पर ध्यान दें।

ए.एन.एम. के लिए अर्न्तव्यैक्तिक संचार हेतु जरूरी बातें

- ए.एन.एम. गाँव वालों से सकारात्मक शारीरिक भाषा और मीठे बोलों के साथ व्यवहार करें।
- ए.एन.एम. को अपने और ग्रामीण जनता के बीच संकोच, झिझक और संवादशून्यता की स्थिति को पूर्णरूप से समाप्त करना होगा, तभी वे अपना संदेश ग्रामीण दम्पत्तियों तक पहुँचा सकेगी।
- संचार का दोतरफा होना बहुत जरूरी है, अर्थात केवल अपनी ही बात व्यक्ति तक न पहुँचायी जाये वरन उस व्यक्ति की बात भी आप तक पहुँचे।
- ए.एन.एम. ऑगनबाड़ी कार्यकत्री, दाई, गाँव के प्रधान आदि सभी बैठक करें जिसमें कॉपर टी को बढ़ावा देने के लिए सभी एक मत हों।
- गाँव के बाजार, चौराहों/रास्तों, राशन की दुकान, आटा चक्की आदि पर पोस्टर अथवा बैनर लगवा कर संचार करें।
- घर-घर जाकर महिलाओं से वार्तालाप करके, कीर्तन मंडली में शामिल होकर, गाँव की चौपाल व बैठकों में हिस्सेदारी करके, महिला प्रधान एवं अध्यापिकाओं से सम्पर्क स्थापित करके ए.एन.एम. अपने उद्देश्य तक पहुँच सकती है।

कॉपर टी के बारे में बतायें :-

- कॉपर टी एक सफल गर्भनिरोधक है।
- कॉपर टी प्लास्टिक की बनी हुई एक छोटी सी चीज़ है जिसमें तांबा होता है।
- कॉपर टी गर्भनिरोध का एक आसान तरीका है जो शुक्राणुओं की गति में बाधा पहुँचाकर उन्हें अंडे तक पहुंचने से रोकती है।
- इसे स्त्री के गर्भाशय में लगाया जाता है।
- कॉपर टी लगवाने के लिए अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं होती है।
- कॉपर टी लगवाने में सिर्फ 15-20 मिनट लगते हैं।
- इसे माहवारी के बाद या बच्चा होने के छः सप्ताह बाद लगवाया जा सकता है।
- कॉपर टी हमेशा प्रशिक्षित डाक्टर या नर्स/ए.एन.एम. से ही लगवानी चाहिए।
- नई कॉपर टी 380-A, से दस वर्षो तक के लिए गर्भ से छुटकारा मिल सकता है।
- नई कॉपर टी का प्रयोग एक स्थायी गर्भ निरोधक की तरह भी होता है।

व्यक्तिगत-विवरण

नाम :-

पता :-

ग्राम/मोहल्ला :-

डाकघर :-

थाना :-

जिला :-

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का नाम :-

फोन नं. :

आवास :-

तैनाती स्थान :-

कॉपर टी से जुड़ी भ्रांतियां व सच्चाई

भ्रान्ति	कॉपर टी ऊपर चढ़ जाती है, मसलन हृदय या मस्तिष्क में।
सच	कॉपर-टी आम तौर पर गर्भाशय के भीतर ही रहती है, जब तक कोई प्रशिक्षित व्यक्ति उसे निकाल न दे। अगर यह अपने आप निकल भी आती है तो आम तौर पर यह योनि-मार्ग से ही बाहर आती है। कॉपर-टी इतनी बड़ी होती है कि वह मस्तिष्क या हृदय में पहुंच ही नहीं सकती। ऐसा कभी-कभार ही होता है कि कॉपर-टी गर्भाशय की दीवार में छेद कर दे और गर्भाशय के पास, पेट के निचले हिस्से में पड़ी रहे।
भ्रान्ति	सहवास के समय पुरुष को इससे तकलीफ होती है या नुकसान पहुंचता है।
सच	स्त्री के पुरुष-साथी (पति) को कभी-कभी धागे महसूस होते हैं लेकिन इससे उसे कोई असुविधा नहीं होती, न ही कोई नुकसान पहुंचता है। अगर दंपत्ति चाहे तो धागों को और छोटा किया जा सकता है। अगर पुरुष को कॉपर-टी का सख्त हिस्सा चुभता है तो स्त्री को जांच के लिए जाना चाहिए क्योंकि हो सकता है कि कॉपर-टी अपनी जगह से खिसक गयी हो।
भ्रान्ति	कॉपर-टी आम तौर पर स्त्रियों के लिए ठीक नहीं है, और उन्हें नुकसान पहुंचाती है।
सच	कॉपर-टी लाभार्थी को तभी लगायी जाती है जब भली भांति उनकी जांच कर ली जाती है। अगर उनके स्वास्थ्य को कोई खतरा हो तो इसे नहीं लगाया जाता। इसलिए इसके कारण स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या नहीं होती है।

कॉपर टी के लाभ

- कॉपर टी बहुत ही असरदार तरीके से काम करती है, इसके प्रयोग से 100 में से 97-99 तक स्त्रियां गर्भवती नहीं होंगी।
- कॉपर टी तुरंत काम करने लगती है और इसे याद रखने के लिए, या इसका इस्तेमाल करने के लिए बार-बार सोचना नहीं पड़ता। इसलिए यह इस्तेमाल में आसान है।
- लंबे अरसे तक गर्भावस्था से बचाव करती है क्योंकि यह गर्भाशय में कई वर्षो तक रखी रह सकती है।
- यौन-सुख, सहवास में कोई बाधा नहीं पहुँचाती और आम तौर पर इसके धागे जीवन-साथी को चुभते नहीं हैं।
- किसी प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा इसे कभी भी निकलवाया जा सकता है, यानी स्त्री जब चाहे या स्वास्थ्य के कारणों से निकलवा सकती है।
- इसके निकलवाने पर स्त्री शीघ्र गर्भवती हो जाती है।
- स्तनपान पर कोई विपरीत असर नहीं होता।
- अगर लाभार्थी कोई दवा ले रही हो तो उसे भी कॉपर टी लग सकती है।
- एक बार जांच के लिए जाने के बाद क्लीनिक में जाने की जरूरत तभी होती है जब कोई समस्या हो।
- लाभार्थी को इसकी सप्लाई की जरूरत नहीं पड़ती।
- प्रजनन अंगों के संक्रमणों और यौन रोगों का किसी स्त्री को खतरा न हो तो यह किसी भी उम्र की स्त्री के लिए अच्छा और भरोसेमंद तरीका है।

मुद्रक : माहेश्वरी एण्ड संस, लखनऊ, फोन : 2692087